ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

उदयपुर, सोमवार 29 जून 2026

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

वर्ष 3 अंक 76

पृष्ठ 4

अजमेर हाई सिक्योरिटी जेल में डकैत जगन गुर्जर की हत्या, तौलिए से गला दबाकर मारने का आरोप

कुलदीप जघीना हत्याकांड के आरोपी विष्णु ने वारदात को दिया अंजाम, एक ही बैरक में बंद थे दोनों बंदी



24 न्यूज अपडेट

अजमेर। राजस्थान की अजमेर हाई सिक्योरिटी जेल में सोमवार को कुख्यात डकैत जगन गुर्जर की हत्या का मामला सामने आया है। जेल प्रशासन के अनुसार भरतपुर के चर्चित कुलदीप जघीना हत्याकांड के आरोपी विष्णु ने कथित तौर पर तौलिए से गला दबाकर जगन गुर्जर की हत्या कर दी। दोनों हार्डकोर बंदी एक ही बैरक में बंद थे। घटना की पुष्टि अजमेर एसपी हर्षवर्धन अग्रवाला ने की है। जानकारी के अनुसार सोमवार सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे के बीच सेल बंद होने के दौरान जब ड्यूटी स्टाफ राउंड पर पहुंचा और बैरक खोली गई तो जगन गुर्जर मृत अवस्था में मिला। बैरक के अंदर उसका साथी विष्णु मौजूद था। घटना के बाद एफएसएल टीम ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए। पुलिस और जेल प्रशासन पूरे मामले की जांच में जुटे हैं।

नाश्ते के समय हुआ था विवाद

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार सुबह करीब 10 बजे नाश्ते के दौरान जगन गुर्जर और विष्णु के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। इसके बाद करीब 11 बजे दोनों को एक ही बैरक में बंद कर दिया गया। दोपहर 3 बजे बैरक खुलने पर हत्या का खुलासा हुआ। पूछताछ में विष्णु ने प्रारंभिक तौर पर बताया कि जगन गुर्जर उसे अलग-अलग बातों को लेकर ताने देता था और परेशान करता था। हालांकि पुलिस मामले की पूरी जांच कर रही है।

27 साल पहले शुरू हुआ था अपराध का सफर

डकैत जगन गुर्जर करीब 27 साल पहले अपराध की दुनिया में आया था। धौलपुर के चंबल क्षेत्र में उसका नाम लंबे समय तक खौफ के रूप में जाना जाता रहा। उसकी दहशत का असर इतना था कि कई गांवों में लोग उससे डरते थे। उसने चंबल के डांग क्षेत्र को अपना ठिकाना बनाया था। जगन पर कई गंभीर आपराधिक मामलों के आरोप रहे। उसके जीजा की हत्या के आरोपियों की हत्या करने का मामला भी उससे जुड़ा रहा।

महिलाओं से दुर्व्यवहार और पुलिसकर्मी हत्या के आरोप

साल 2019 में धौलपुर के करनपुर-सायकापुरा गांव में महिलाओं से मारपीट और दुर्व्यवहार के आरोपों के बाद जगन गुर्जर फिर चर्चा में आया था। इसके अलावा उस पर एक पुलिसकर्मी की हत्या का आरोप भी लगा था। साल 2008 के गुर्जर आरक्षण आंदोलन के दौरान जगन गुर्जर ने तत्कालीन मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के धौलपुर स्थित महल को उड़ाने की धमकी दी थी। इसके बाद पुलिस ने उस पर 11 लाख रुपए का इनाम घोषित किया था और वह चंबल के सबसे चर्चित दस्युओं में शामिल हो गया था।

बेटी की शादी पर अपराध छोड़ने की बात कही थी

करीब 15 साल पहले बेटी की शादी के दौरान जगन गुर्जर ने अपराध की दुनिया छोड़ने की बात कही थी और आत्मसमर्पण भी किया था। हालांकि बाद में वह कई बार जमानत पर बाहर आया और फिर अपराध से जुड़ गया। फिलहाल अजमेर हाई सिक्योरिटी जेल में हुई इस हत्या के बाद सुरक्षा व्यवस्था और बंदियों की निगरानी को लेकर भी सवाल खड़े हो गए हैं। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है।

राम मंदिर चढ़ावा प्रकरण: 11 जुलाई की बैठक अब 6 जुलाई को अयोध्या में, पुलिस ने आरोपियों के बैंक खाते खंगाले



24 न्यूज अपडेट

अयोध्या। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले को लेकर चल रही जांच के बीच श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की 11 जुलाई को प्रस्तावित बैठक अब 6 जुलाई को अयोध्या में होगी। सूत्रों के अनुसार बैठक मणि रामदास जी की छावनी की जगह कारसेवक पुरम में आयोजित हो सकती है। हालांकि बैठक की तारीख और स्थान में बदलाव का कारण अभी स्पष्ट नहीं किया गया है। वहीं चढ़ावा चोरी मामले में ट्रस्ट के पूर्व पदाधिकारियों से भी पूछताछ की गई है। पूर्व महासचिव चंपत राय, ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा और गोपाल राव के बयान दर्ज किए गए हैं। पूछताछ के बाद चंपत राय दिल्ली रवाना हो गए।

पुलिस ने आरोपियों के बैंक खाते खंगाले

मामले की जांच कर रही पुलिस सोमवार सुबह करीब साढ़े 10 बजे SBI की अयोध्या धाम शाखा पहुंची। पुलिस टीम ने 8 आरोपियों में से 7 के बैंक खातों की जानकारी जुटाई और बैंक स्टेटमेंट लिए। अब जांच की जाएगी कि मंदिर में नौकरी शुरू करने के बाद आरोपियों के खातों में कितनी रकम आई और लेन-देन का पैटर्न क्या रहा। पुलिस ने बैंक के दो कर्मचारियों को भी नोटिस जारी किया है।

8 आरोपियों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत

पुलिस ने सभी 8 आरोपियों को कोर्ट में पेश किया। पुलिस ने इस बार रिमांड की मांग नहीं की, जिसके बाद अदालत ने सभी आरोपियों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। अगली सुनवाई 13 जुलाई को होगी। इससे पहले पुलिस ने मामले में रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू समेत 8 लोगों को गिरफ्तार किया था।

सुप्रीम कोर्ट ने तुरंत सुनवाई से किया इनकार

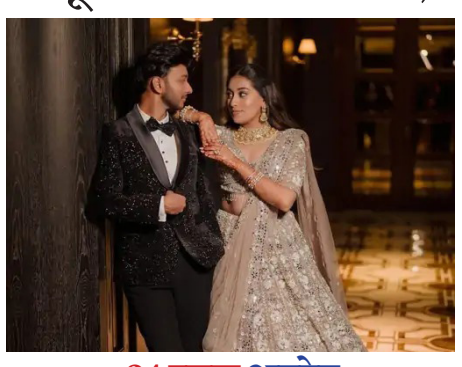
मामला अब सुप्रीम कोर्ट तक भी पहुंच गया है। वकील अनूप अवस्थी की ओर से CBI जांच की मांग को लेकर दायर याचिका पर कोर्ट ने तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि इतनी जल्दी सुनवाई की आवश्यकता क्यों है और छुट्टियों के बाद मामले पर सुनवाई होगी। इधर अयोध्या के वकीलों ने बैठक कर निर्णय लिया कि चढ़ावा चोरी मामले के आरोपियों का केस कोई भी वकील नहीं लड़ेगा। बैठक में चंपत राय, गोपाल राव और डॉ. अनिल मिश्रा से अयोध्या छोड़ने की मांग भी उठाई गई। ऐसा नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी गई।

IT रिपोर्ट के बाद शुरू हुई कार्रवाई चढ़ावा चोरी का मामला पहली बार 7 जून को सामने आया था। इसके बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने 13 जून को SIT गठित की। SIT ने 23 जून को अपनी रिपोर्ट गृह विभाग को सौंपी। 25 जून को ट्रस्ट सदस्य कृष्ण मोहन की शिकायत पर FIR दर्ज हुई, जिसमें रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू समेत 8 लोगों को नामजद किया गया। इसके बाद पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। 28 जून को पुलिस की कई टीमों ने आरोपियों के ठिकानों पर छापेमारी की थी। इस दौरान रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू के घर से निवेश और खरीद से जुड़े दस्तावेज, आभूषण और नकदी मिलने की बात सामने आई थी। वहीं आरोपी अनुकल्प मिश्रा के घर से डायरी बरामद हुई थी, जिसकी जांच की जा रही है।

श्रीराम जन्मभूमि सेवा समिति ने जताई नाराजगी

इस मामले पर श्रीराम जन्मभूमि सेवा समिति ने भी नाराजगी जताई है। समिति ने गर्भगृह में प्राप्त धन, आभूषण और चढ़ावे की गणना व प्रबंधन व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए चिंता व्यक्त की है। समिति ने अपने पक्ष को रखने के लिए 30 जून को अयोध्या के अरुंधती भवन में प्रेस कॉन्फ्रेंस करने की घोषणा की है।

पुणे केतन अग्रवाल हत्याकांड: हत्या से 34 मिनट पहले प्रेमी को भेजी थी लोकेशन, टोल के कैमरों से बचने के लिए स्कूटर पर आया था प्रेमी, जांच में रोज हो रहे नए खुलासे



24 न्यूज अपडेट

पुणे। केतन अग्रवाल हत्याकांड की जांच में लगातार नए खुलासे हो रहे हैं। पुलिस जांच के मुताबिक हत्या से 34 मिनट पहले मुख्य आरोपी सिया गोयल ने अपने कथित प्रेमी चेतन चौधरी से फोन पर बात की और लोहगढ़ किले के व्यू पॉइंट की सटीक लोकेशन साझा की। जांच एजेंसियों का दावा है कि यह वारदात पहले से सुनियोजित थी।

जांच में सामने आया है कि सिया और केतन की प्रस्तावित बाली प्री-वेडिंग ट्रिप से पहले सिया वहां जाने के पक्ष में नहीं थी। एयरपोर्ट तक छोड़ने वाले कैब चालक वैभव जाधव के अनुसार, सिया और उसके भाई साहिल के बीच पूरे रास्ते बहस होती रही और भाई ने उसे जबरन कार में बैठाकर मुंबई एयरपोर्ट भेजा था।

पुलिस के अनुसार आरोपी चेतन चौधरी घटना वाले दिन कार के बजाय स्कूटर से करीब 90 किलोमीटर दूर लोहगढ़ किले तक पहुंचा, ताकि टोल प्लाजा पर उसकी मौजूदगी का कोई रिकॉर्ड न बने। उसने किले पर चढ़ते समय हूडी पहन रखी थी, जिसे ऊपर पहुंचकर उतार दिया और घटना के बाद लौटते समय फिर पहन लिया। पुलिस ने उसका स्कूटर भी जब्त कर लिया है।

रविवार को पुलिस दोनों आरोपियों को लोहगढ़ किले लेकर पहुंची, जहां केतन का डमी बनाकर पूरे घटनाक्रम का री-क्रिएशन कराया गया। वहीं सिया के वकील आशुतोष श्रीवास्तव ने कहा कि पुलिस हिरासत में दिया गया बयान अदालत में स्वीकार्य साक्ष्य नहीं होता। उन्होंने कहा कि अदालत में यह सवाल उठाया जाएगा कि पहले इस मामले को दुर्घटना क्यों माना गया और बाद में हत्या का मामला कैसे दर्ज किया गया। उन्होंने सिया की पुलिस रिमांड बढ़ाने का भी विरोध किया।

जांच में यह भी सामने आया है कि सिया और चेतन ने घटना से पहले गूगल पर लोहगढ़ किले के 'डेथ पॉइंट', वहां तक पहुंचने के रास्ते और गहरी खाइयों की जानकारी जुटाई थी। पुलिस का दावा है कि दोनों ने यह भी सर्च किया था कि जहर देकर किसी की हत्या कैसे की जाए ताकि पुलिस को शक न हो। पुलिस ने सिया के माता-पिता और भाई से भी कई घंटों तक पूछताछ की है।

जांच के अनुसार केतन की हत्या की साजिश 31 मई को बनाई गई थी। 14 जून को लोहगढ़ किले पर पहली कोशिश में सिया ने कथित तौर पर केतन को धक्का दिया था, लेकिन वह पेड़ का सहारा मिलने से बच गया। तब सिया ने सांप से बचाने का बहाना बनाया था। आखिरकार 18 जून को प्री-वेडिंग फोटोशूट के बहाने केतन को दोबारा किले पर ले जाया गया, जहां पुलिस के अनुसार सिया और चेतन ने मिलकर उसे खाई में धक्का दे दिया।

पुलिस ने हत्या के छह दिन के भीतर सिया गोयल और चेतन चौधरी को गिरफ्तार कर लिया। दोनों एक-दूसरे को वारदात का मास्टरमाइंड बता रहे हैं। जांच एजेंसी अब डिजिटल साक्ष्यों, कॉल रिकॉर्ड और फॉरेंसिक रिपोर्ट के आधार पर मामले की कड़ियां जोड़ रही है। फिलहाल मामले की जांच जारी है और पुलिस अदालत में आरोप-पत्र पेश करने की तैयारी कर रही है।

फर्जी FMGE सर्टिफिकेट से डॉक्टर बनने का खेल, SOG ने तीन और डॉक्टरों को किया गिरफ्तार, 25 लाख तक देकर बनवाए थे फर्जी दस्तावेज



24 न्यूज अपडेट

जयपुर। विदेश से एमबीबीएस करने के बाद भारत में डॉक्टर बनने के लिए फर्जी एफएमजीई (Foreign Medical Graduate Examination) प्रमाणपत्र का इस्तेमाल करने वाले नेटवर्क पर स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (SOG) की कार्रवाई लगातार जारी है। मामले में SOG ने तीन और डॉक्टरों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई SOG थाने में दर्ज एफआईआर संख्या 08/ 2026 के तहत की गई है। मामले में धोखाधड़ी, जालसाजी और आपराधिक साजिश की धाराओं में जांच चल रही है।

फर्जी प्रमाणपत्र से कराया मेडिकल पंजीयन

जांच में सामने आया है कि विदेशों से एमबीबीएस करने वाले कई अभ्यर्थी एफएमजीई स्क्रीनिंग परीक्षा पास नहीं कर पाए थे। इसके बाद फर्जी प्रमाणपत्र तैयार कराए गए और उन्हीं के आधार पर राजस्थान मेडिकल काउंसिल में पंजीयन करवाया गया। इसके बाद कई अभ्यर्थियों ने मेडिकल कॉलेजों में इंटर्नशिप भी पूरी कर ली। SOG की जांच में अब तक इस नेटवर्क से जुड़े 100 से अधिक लोगों की पहचान की जा चुकी है। इनमें राजस्थान मेडिकल काउंसिल के तत्कालीन रजिस्ट्रार समेत कुल 25 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

तीन डॉक्टर गिरफ्तार

SOG ने इस मामले में नवदीप तंबोलिया, चिराग साहू और आफरीदी खान को गिरफ्तार किया है। जांच के अनुसार तीनों ने किर्गिस्तान और कजाकिस्तान से एमबीबीएस की पढ़ाई की थी और भारत में मेडिकल प्रैक्टिस के लिए फर्जी एफएमजीई प्रमाणपत्र का इस्तेमाल किया। जांच में सामने आया है कि इस फर्जीवाड़े में प्रत्येक अभ्यर्थी से 20 से 30 लाख रुपए तक की रकम ली जाती थी। तीनों आरोपियों ने भी फर्जी प्रमाणपत्र बनवाने के लिए करीब 23.5 लाख से 25 लाख रुपए तक भुगतान किया था। SOG के अनुसार इस गिरोह का मुख्य सरगना भानाराम माली और उसके सहयोगी पहले ही गिरफ्तार किए जा चुके हैं। अब जांच एजेंसी पूरे नेटवर्क की कड़ियों को जोड़ते हुए अन्य लोगों की भूमिका की पड़ताल कर रही है।

कोर्ट ने 4 जुलाई तक रिमांड पर भेजा

गिरफ्तार तीनों डॉक्टरों को अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें 4 जुलाई तक पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

साइकिल पार्ट्स के बीच छिपाकर ले जा रहे थे 20 लाख की शराब, रतनपुर बॉर्डर पर कंटेनर पकड़ा

24 न्यूज अपडेट

डूंगरपुर। राजस्थान-गुजरात सीमा पर अवैध शराब तस्करी के खिलाफ बिछीवाड़ा थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक कंटेनर से करीब 20 लाख रुपए की अवैध शराब बरामद की है। शराब को साइकिल पार्ट्स की आड़ में छिपाकर गुजरात ले जाया जा रहा था। पुलिस ने कंटेनर चालक को गिरफ्तार कर तस्करी के नेटवर्क की जांच शुरू कर दी है। थानाधिकारी कैलाशचंद्र सोनी ने बताया कि नेशनल हाईवे-48 स्थित रतनपुर बॉर्डर पर पुलिस टीम की ओर से नाकाबंदी कर वाहनों की जांच की जा रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि उदयपुर की तरफ से आ रहे एक बंद बॉडी कंटेनर में अवैध शराब की खेप ले जाई जा रही है। सूचना के आधार पर पुलिस ने संदिग्ध कंटेनर को रुकवाकर तलाशी ली। पूछताछ में चालक ने कंटेनर में साइकिल पार्ट्स होने की जानकारी दी, लेकिन जांच करने पर साइकिल पार्ट्स के बीच छिपाकर रखे गए अंग्रेजी शराब के कार्टन मिले। पुलिस ने कंटेनर से विभिन्न ब्रांड की 244 कार्टन अंग्रेजी शराब बरामद की। जब्त शराब चंडीगढ़ निर्मित बताई जा रही है, जिसकी अनुमानित बाजार कीमत करीब 20 लाख रुपए है।

हरियाणा का चालक गिरफ्तार

पुलिस ने कंटेनर चालक नरेश कुमार (33) पुत्र ओमप्रकाश निवासी ढांड, थाना भट्टू, जिला फतेहाबाद (हरियाणा) को गिरफ्तार कर लिया है।

संपादकीय : पुनरीक्षण पर सवाल

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर की कवायद को शुरू हुए एक साल पूरा हो गया है। वर्तमान में उन्नीस राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में यह प्रक्रिया जारी है। खबरों के मुताबिक, इसके जरिए अब तक करीब छह करोड़ मतदाताओं के नाम सूची से हटाए जा चुके हैं। ऐसे में यह सवाल अहम है कि क्या वास्तव में इतनी बड़ी संख्या में लोग मतदान करने के पात्र नहीं है? या फिर बहुत से लोग आधिकारिक दस्तावेज नहीं जुटा पाने की वजह से अपनी योग्यता साबित नहीं कर पाए ? सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि जिन लोगों के नाम सूची से बाहर किए गए हैं, उनका भविष्य क्या होगा। अगर वे मतदान के हकदार नहीं है, तो उनके दूसरे अधिकारों पर इसका क्या असर पड़ेगा ? यह सवाल इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि पश्चिम बंगाल और बिहार में पिछले दिनों हुए विधानसभा चुनावों के बाद ऐसी खबरें आई हैं कि दोनों राज्यों में संशोधित मतदाता सूची के आंकड़ों को अब सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी सरकारी योजनाओं में शामिल किया जाएगा। इससे यह आशंका भी गहरा रही है कि मतदाता सूची से हटाए गए लोगों को अब सरकारी योजनाओं की लाभार्थी सूची से भी बाहर किया जा सकता है। सबसे पहले बिहार में पिछले वर्ष विधानसभा चुनावों से पूर्व एसआइआर की प्रक्रिया शुरू की गई थी। तब विपक्षी दलों ने इसके समय को लेकर सवाल उठाए थे। उनका कहना था कि मतदाता सूची में संशोधन के लिए निर्वाचन आयोग के पास पहले पर्याप्त समय था, इसके बावजूद चुनावों से ठीक पहले इस प्रक्रिया को शुरू करना उचित नहीं है। इसके बाद नागरिकता के प्रमाण को लेकर भी यह प्रक्रिया विवादों में रही । विवाद का यह सिलसिला केवल बिहार तक ही सीमित नहीं रहा, बल्कि उत्तर प्रदेश होते हुए यह पश्चिम बंगाल तक पहुंच गया। बिहार में इस प्रक्रिया के तहत मतदाता सूची से लगभग पैंसठ लाख नाम हटाए गए। दूसरे चरण में उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, राजस्थान, छत्तीसगढ़, केरल, पुडुचेरी, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप, गुजरात, मध्य प्रदेश और गोवा में करीब 10.2 फीसद मतदाताओं को सूची से बाहर किया गया। सवाल यह भी है कि क्या इन लोगों को अपनी पात्रता साबित करने के लिए आगे कोई मौका दिया जाएगा, या फिर वे हमेशा के लिए मताधिकार से वंचित हो गए हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि मतदाता सूची का समय-समय पर संशोधन जरूरी है, ताकि जिनकी मृत्यु हो गई है या जिन्होंने फर्जी दस्तावेज के आधार पर अपना पंजीकरण कराया है, उनके नाम सूची से हटा दिए जाएं। मगर यह चिंताजनक है कि अभी कुछ राज्यों में ही एसआइआर की प्रक्रिया पूरी हुई है और करीब छह करोड़ लोग मताधिकार से वचित हो गए हैं, तो देश भर में ऐसे लोगों की संख्या कितनी हो जाएगी, इसका अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है। सूची से बाहर किए गए लोगों को अब अपनी नागरिकता की चिंता भी सताने लगी है, क्योंकि उन्हें सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की लाभार्थी सूची से भी बाहर होने का खतरा है। ऐसे में उनका भविष्य संकट में पड़ सकता है। यह सुनिश्चित करना निर्वाचन आयोग की जिम्मेदारी है कि कोई पात्र व्यक्ति किसी तकनीकी कारण या समय पर दस्तावेज न जुटा पाने की वजह से मताधिकार से वंचित न रह जाए। याद रखना चाहिए कि लोकतंत्र सही मायने में तभी जिंदा रहता है, जब पात्र नागरिकों के मतदान का अधिकार सुरक्षित रहे और चुनाव निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से संपन्न हो ।

सुरक्षा की अनदेखी

इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि वर्तमान समय में जहां छोटे-छोटे कार्य आधुनिक उपकरणों की मदद से किए जा रहे हैं, वहीं जोखिम भरे साफ- सफाई के काम आज भी परंपरागत तरीके से ही हो रहे हैं। नतीजा यह कि सेप्टिक टैंक और सीवर की सफाई के दौरान जान जाने की घटनाएं आम हो गई हैं। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के मुंडका इलाके में बीते शुक्रवार को एक ऐसी ही घटना सामने आई, जहां एक कारखाने के सेप्टिक टैंक की सफाई करते वक्त जहरीली गैस की चपेट में आने से तीन श्रमिकों की मौत हो गई है। इस घटना ने सुरक्षा मानकों की हो रही अनदेखी को एक बार फिर उजागर कर दिया है। खबरों के मुताबिक, इन श्रमिकों को बिना सुरक्षा उपायों के ही सेप्टिक टैंक में उतार दिया गया था, जिससे यह हादसा हुआ। इससे साफ है कि दिल्ली सहित देश भर में न्यायालय के निर्देशों का गंभीरता से पालन नहीं हो रहा है। शीर्ष अदालत ने इस मामले में अपने विस्तृत आदेश में स्पष्ट कहा था कि सेप्टिक टैंक और सीवर की हाथ से सफाई पर पूरी तरह पाबंदी लगाई जानी चाहिए। यह गंभीर चिंता का विषय है कि सुरक्षा मानकों का पालन करने की सख्त हिदायत के बावजूद एहतियाती उपायों के बिना ही श्रमिकों को सीवर और सेप्टिक टैंक में उतार दिया जाता है। उस समय यह जांच करने की भी जरूरत महसूस नहीं की जाती कि वहां आक्सीजन का स्तर क्या है और कहीं जहरीली गैस का प्रभाव ज्यादा तो नहीं है ? ज्यादातर मामलों में श्रमिकों को बचाव के लिए सुरक्षा उपकरण नहीं दिए जाते। यही वजह है कि बार-बार ऐसी घटनाएं सामने आने पर वर्ष 2023 में शीर्ष अदालत ने केंद्र और राज्य सरकारों से पूछा था कि उसके आदेश का पालन क्यों नहीं हो रहा है। ऐसे हादसों में जान गंवाने वाले सफाई कर्मियों के परिवारों के लिए मुआवजा राशि को लेकर भी कोई स्पष्ट नीति मौजूद नही है। जाहिर है कि कागजों में कोई नियम-कानून बना देने भर से व्यवस्था में सुधार नहीं हो पाता है, इसके लिए उन्हें धरातल पर कड़ाई से लागू करने की जरूरत होती है।

'एक पक्ष पर कार्रवाई, दूसरे पर चुप्पी क्यों?' जैन समाज ने उठाए सवाल, एसपी को सौंपा ज्ञापन, 30 जून तक एफआईआर नहीं तो होगा अनिश्चितकालीन धरना



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर में सकल दिगम्बर जैन समाज ने मंगलवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर जे.पी. ऑर्थोपेडिक हॉस्पिटल और गीतांजलि हॉस्पिटल से जुड़े बहुचर्चित प्रकरण में कार्रवाई की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। समाज का आरोप है कि 2 जून को हुई घटनाओं के संबंध में दिए गए पांच अलग-अलग परिवादों पर आज तक एक भी एफआईआर दर्ज नहीं की गई, जबकि दूसरी ओर चिकित्सकों की शिकायत पर उनके परिजनों के खिलाफ तत्काल गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर गिरफ्तारी की गई। समाज का कहना है कि सड़क दुर्घटना में घायल कुलदीप जैन के उपचार के दौरान चिकित्सकीय लापरवाही हुई, जिसके कारण उनकी हालत गंभीर हो गई और उन्हें गीतांजलि हॉस्पिटल रेफर करना पड़ा। इस संबंध में परिजनों ने उसी दिन भूपालपुरा थाने में परिवाद दिया था, लेकिन एक माह बीतने के बाद भी न एफआईआर दर्ज हुई और न ही प्रभावी जांच शुरू की गई। ज्ञापन में यह भी आरोप लगाया गया है कि गीतांजलि हॉस्पिटल में भर्ती के दौरान कुलदीप जैन के परिजनों के साथ मारपीट, रोक-टोक और अभद्र व्यवहार किया गया। इन घटनाओं को लेकर अलग-अलग परिवाद पुलिस को सौंपे गए, लेकिन अब तक कोई वैधानिक कार्रवाई नहीं हुई। जैन समाज ने पुलिस अधीक्षक से सभी पांच परिवादों पर तत्काल एफआईआर दर्ज कराने, दोनों अस्पतालों के सीसीटीवी फुटेज, ऑपरेशन थिएटर रिकॉर्ड, एनेस्थीसिया रिकॉर्ड, मोबाइल लोकेशन, कॉल डिटेल्स और अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों को सुरक्षित कर जब्त करने तथा पूरे मामले की निष्पक्ष जांच किसी वरिष्ठ अधिकारी या विशेष जांच दल यानी एसआईटी से कराने की मांग की है। समाज ने यह भी कहा कि यदि एक पक्ष के खिलाफ उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई की गई है, तो कानून के समक्ष समानता के सिद्धांत के तहत दूसरे पक्ष पर भी समान रूप से कार्रवाई होनी चाहिए। समाज ने प्रशासन को चेतावनी दी है कि यदि 30 जून तक सभी परिवादों पर एफआईआर दर्ज कर निष्पक्ष और प्रभावी कार्रवाई शुरू नहीं की गई, तो समाज 30 जून से शांतिपूर्ण, लोकतांत्रिक और अनिश्चितकालीन धरना शुरू करेगा, जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

कालिका पेट्रोलिंग कांस्टेबल और उसके मामा पर जानलेवा हमला, सोने की चेन व मोबाइल लूटे, अपहरण की भी कोशिश



24 न्यूज अपडेट

डूंगरपुर। जिले के रामसागड़ा थाना क्षेत्र के माडा गांव में रविवार रात कालिका पेट्रोलिंग में तैनात महिला कांस्टेबल और उसके मामा पर हथियारबंद बदमाशों ने सरेराह हमला कर दिया। आरोपियों ने दोनों के साथ मारपीट कर सोने की चेन और मोबाइल लूट लिया। महिला कांस्टेबल का अपहरण करने का भी प्रयास किया गया, लेकिन ग्रामीणों के मौके पर पहुंचने से आरोपी फरार हो गए। पुलिस के अनुसार माडा निवासी केसरीमल लबाना अपनी भांजी मोनिका, जो कालिका पेट्रोलिंग में कांस्टेबल हैं, के साथ बाइक से पुराने मकान से नए घर जा रहे थे। घर से करीब 100 मीटर की दूरी पर पहले से घात लगाए बैठे 7-8 हथियारबंद बदमाशों ने उनका रास्ता रोक लिया और केसरीमल पर लाठियों एवं अन्य हथियारों से हमला कर दिया। मामा को बचाने के लिए बीच-बचाव करने पहुंची कांस्टेबल मोनिका पर भी आरोपियों ने हमला कर दिया। आरोप है कि बदमाशों ने उन्हें जबरन वाहन में डालकर अपहरण करने की कोशिश की, लेकिन शोर-शराबा सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंच गए, जिससे आरोपी अपनी योजना में सफल नहीं हो सके। हमलावर केसरीमल के गले से करीब दो तोले की सोने की चेन और मोबाइल फोन लूट ले गए। वहीं कांस्टेबल मोनिका के गले से डेढ़ तोले की सोने की चेन और आधा तोले का पेंडल भी छीन लिया। जाते-जाते आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही रामसागड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को परिजनों की मदद से जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां दोनों का उपचार जारी है। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार कुछ माह पहले भी इन्हीं आरोपियों के खिलाफ कांस्टेबल मोनिका से छेड़छाड़ का मामला रामसागड़ा थाने में दर्ज कराया गया था। आशंका जताई जा रही है कि पुरानी रंजिश के चलते इस वारदात को अंजाम दिया गया। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच कर रही है।

जिला कलक्टर डॉ. मंजू ने ईवीएम वेयरहाउस का किया निरीक्षण, सुरक्षा प्रबंधों की परखी मजबूती



24 न्यूज अपडेट

चित्तौड़गढ़। जिला कलक्टर डॉ. मंजू ने सोमवार को जिला मुख्यालय स्थित इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) वेयरहाउस का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था एवं उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ईवीएम के सुरक्षित रख-रखाव और वेयरहाउस में लागू सुरक्षा प्रबंधों का बारीकी से अवलोकन किया। जिला कलक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्धारित प्रोटोकॉल एवं सुरक्षा मानकों की पूर्ण पालना सुनिश्चित की जाए तथा ईवीएम की सुरक्षा में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था, रिकॉर्ड संधारण एवं अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी भी ली। इस अवसर पर विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि, पुलिस उपाधीक्षक सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

तृतीय श्रेणी शिक्षकों के मुद्दों पर राजस्थान पंचायती राज एवं माध्यमिक शिक्षक संघ का आंदोलन का ऐलान



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 29 जून 2026। तृतीय श्रेणी शिक्षक संवर्ग की मांगों को लेकर राजस्थान पंचायती राज एवं माध्यमिक शिक्षक संघ ने आंदोलन का आगाज कर दिया है। संगठन की प्रदेश कार्यकारिणी, जिलाध्यक्षों और जिला मंत्रियों की संयुक्त बैठक सोमवार को उदयपुर स्थित आरटीडीसी कजरी होटल, शास्त्री सर्किल में आयोजित हुई। बैठक में शिक्षकों की विभिन्न लंबित मांगों और शिक्षा विभाग के निर्णयों को लेकर नाराजगी जताते हुए आगामी आंदोलन की रणनीति तय की गई।

बैठक की अध्यक्षता संगठन के प्रदेश अध्यक्ष शेर सिंह चौहान ने की। प्रदेश महामंत्री गोपाल मीणा ने बताया कि बैठक में शिक्षकों, शिक्षार्थियों और विद्यालयों से जुड़े तात्कालिक मुद्दों, समस्याओं तथा संगठन की प्रमुख मांगों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में राज्य सरकार और शिक्षा विभाग द्वारा तृतीय श्रेणी शिक्षकों के संबंध में लिए जा रहे निर्णयों पर असंतोष व्यक्त किया गया।

संगठन पदाधिकारियों ने कहा कि शिक्षकों की मांगों के समाधान के लिए अब चरणबद्ध आंदोलन किया जाएगा।

तीन चरणों में होगा आंदोलन

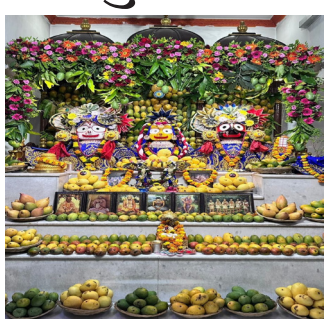
बैठक में सर्वसम्मति से आंदोलन की रूपरेखा तय की गई। 10 जुलाई को प्रदेश के सभी उपखंड मुख्यालयों पर धरना प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा जाएगा। 20 जुलाई को जिला मुख्यालयों पर प्रदर्शन किया जाएगा। अगस्त के प्रथम सप्ताह में प्रदेश मुख्यालय जयपुर में विशाल रैली और धरना आयोजित किया जाएगा।

इन मांगों को लेकर शिक्षक संगठन मुखर प्रदेश अध्यक्ष शेर सिंह चौहान ने बताया कि संगठन की प्रमुख मांगों में तृतीय श्रेणी शिक्षकों के स्थानांतरण शीघ्र खोलना, वर्ष 2010 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों के लिए टेट परीक्षा की अनिवार्यता के मामले में केंद्र सरकार के समक्ष शिक्षकों का पक्ष रखना शामिल है। उन्होंने बताया कि विगत छह सत्रों से लंबित चल रही तृतीय श्रेणी शिक्षकों की डीपीसी प्रक्रिया को जल्द पूरा करवाने, प्रभावित शिक्षकों का पक्ष रखते हुए पदोन्नति करवाने तथा शिक्षा विभाग द्वारा जारी किए गए कथित अनुचित "पे प्रोटेक्शन आदेश" को वापस लेने की मांग भी आंदोलन में प्रमुख रहेगी। संगठन की ओर से उपखंड मुख्यालयों से लेकर जिला मुख्यालय और जयपुर तक धरना प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपे जाएंगे।

प्रदेश पदाधिकारी और जिलों के प्रतिनिधि रहे मौजूद

बैठक में प्रदेश सभा अध्यक्ष राम प्रताप मीणा, प्रदेश महिला संयोजिका कृष्णा यादव, प्रदेश कोषाध्यक्ष सतीश जैन, शंभू सिंह मेडतिया, बेबी नंदा, सत्येंद्र यादव, दशरथ सिंह सोलंकी, मनोज शर्मा सहित प्रदेश कार्यकारिणी के पदाधिकारी, जिलाध्यक्ष और जिला मंत्री उपस्थित रहे। बैठक में उदयपुर जिलाध्यक्ष कमलेश शर्मा और अरविंद मीणा ने सभी पदाधिकारियों का स्वागत किया। संगठन ने कहा कि तृतीय श्रेणी शिक्षकों की मांगों को लेकर प्रदेशभर में आंदोलन को मजबूती से आगे बढ़ाया जाएगा और सरकार से जल्द समाधान की मांग की जाएगी।

इस्कॉन मन्दिर मे ज्येष्ठ पूर्णिमा पर हुआ महा स्नान अभिषेक



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। गगूंकुण्ड स्थित इस्कॉन मन्दिर मे सोमवार को ज्येष्ठ पूर्णिमा पर भगवान जगन्नाथ जी बलभद्र जी और बहन सुभद्रा जी का औषधीय द्रव्यो से युक्त जल से सुगंधित जल से पंचामृत व ताजा फलों के रस से ब्रह्मचारी वैष्णवों द्वारा महा अभिषेक किया गया। पश्चात भगवान ज्वर (बुखार) रोग से अस्वस्थ होकर अनवसर काल 15 दिन के लिए एकान्त वास मे स्वस्थ होने तक पूर्ण विश्राम के लिए पधार जाएंगे। पन्द्रह दिन के बाद भगवान पूर्ण स्वस्थ हो बाहर आते तब खुशी मे रथयात्रा के रुप मे नगर भ्रमण करा रथोत्सव मनाते है। इस अवसर पर मायापुर वासी प्रभु के श्रीमुख से स्नान यात्रा के महत्व को कथा के रूप मे व्यास पीठ से बताया कि अधिक से अधिक भक्तो को स्नान यात्रा के दर्शन कर पुण्य प्राप्त करना चाहिए। साल मे एकमात्र और एक बार भगवान जगन्नाथ जी स्वंय भक्तो को दर्शन देने बाहर आते है। भगवान पकवान के नही भाव के भूखे है। भक्तों के हाथों से निर्मित भगवान को छप्पन भोग प्रसाद धराकर आरती पश्चात वितरण किया गया। इससे पूर्व रविवार को आम महोत्सव धूमधाम से मनाया गया।



पैरामेडिकल परीक्षा में नकल की साजिश नाकाम, कॉलेज संचालक, HOD और लेक्चरर समेत चार गिरफ्तार



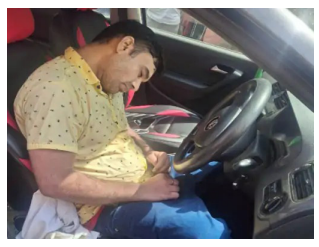
24 न्यूज अपडेट

जयपुर। पैरामेडिकल परीक्षा में नकल कराने की बड़ी साजिश का जयपुर पुलिस ने पर्दाफाश करते हुए दो कॉलेजों से जुड़े चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में एक कॉलेज संचालक, उसका भतीजा, एक विभागाध्यक्ष (HOD) और एक लेक्चरर शामिल हैं। पुलिस के अनुसार 45 विद्यार्थियों को पैसे लेकर परीक्षा में नकल कराने की तैयारी थी। डीसीपी (पश्चिम) प्रशांत किरण ने बताया कि झुंझुनूं के मुकुंदगढ़ स्थित एस. करण कॉलेज के 45 प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों को पास कराने के लिए 5.50 लाख रुपये का सौदा तय किया गया था। इसके लिए जयपुर के कालवाड़ रोड स्थित प्रभा देवी मेमोरियल पीजी कॉलेज परीक्षा केंद्र का इस्तेमाल किया जाना था।

पुलिस जांच में सामने आया कि सभी विद्यार्थियों को परीक्षा के दौरान एक ही कमरे में बैठाने की योजना बनाई गई थी। वहां तैनात किए जाने वाले वीक्षक (इनविजिलेटर) के माध्यम से प्रश्नपत्र पढ़ाकर नकल कराई जानी थी। 27 जून को पुलिस कंट्रोल रूम को परीक्षा केंद्र पर रुपए लेकर नकल कराने की सूचना मिली थी। इसके बाद डीएसटी टीम सक्रिय हुई और प्रताप नगर से एस. करण कॉलेज के एचओडी कृष्ण कुमार और लेक्चरर शंकरलाल जाट को गिरफ्तार कर लिया। उनके बैग से बरामद डायरियों में विद्यार्थियों के नाम और उनसे वसूली गई राशि का पूरा हिसाब मिला।

मोबाइल फोन की जांच में व्हाट्सएप चैट से परीक्षा देने वाले विद्यार्थियों के एडमिट कार्ड और परीक्षा केंद्र से जुड़े दस्तावेज भी मिले। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि 45 विद्यार्थियों से 5.50 लाख रुपये लिए गए थे। इनमें से 3.27 लाख रुपये परीक्षा केंद्र पर मनचाहा वीक्षक लगाने के लिए प्रभा देवी मेमोरियल पीजी कॉलेज के संचालक रामकृष्ण मंडीवाल और संस्थापक देवकृष्ण मंडीवाल को दिए गए थे। पुलिस ने इस मामले में रामकृष्ण मंडीवाल, देवकृष्ण मंडीवाल, कृष्ण कुमार और शंकरलाल जाट को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों से पूछताछ जारी है और पुलिस पूरे नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच कर रही है।

एसी बंद होने के बाद कार में दम घुटने से रेजिडेंट डॉक्टर की मौत, जयपुर में मचा हड़कंप



24 न्यूज अपडेट

जयपुर। राजधानी जयपुर में सोमवार दोपहर एक कार के अंदर रेजिडेंट डॉक्टर का शव मिलने से सनसनी फैल गई। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि डॉक्टर कार में सो गए थे और पेट्रोल खत्म होने के बाद एसी बंद हो गया, जिसके बाद गर्मी और दम घुटने से उनकी मौत होने की आशंका जताई जा रही है। आदर्श नगर थाना पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सवाई मानसिंह (SMS) अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया है। आदर्श नगर थाना अधिकारी मनीष गुप्ता ने बताया कि मृतक की पहचान डॉ. संदीप कुमार शर्मा (37) पुत्र ओमप्रकाश शर्मा निवासी उदयपुरवाटी, झुंझुनूं के रूप में हुई है। वह SMS मेडिकल कॉलेज के स्किन डिपार्टमेंट में फर्स्ट ईयर के रेजिडेंट डॉक्टर थे।

कार में बेसुध मिला डॉक्टर

पुलिस के अनुसार सोमवार दोपहर करीब 3 बजे बर्फखाना क्षेत्र के पास रोड किनारे खड़ी एक कार में युवक के बेसुध पड़े होने की सूचना राहगीरों ने दी थी। सूचना पर आदर्श नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। कार अंदर से लॉक थी। पुलिसकर्मियों ने काफी देर तक आवाज देकर युवक को जगाने का प्रयास किया, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। इसके बाद कार का शीशा तोड़कर गेट खोला गया। अंदर ड्राइवर सीट पर पड़े डॉक्टर संदीप की जांच की गई तो उनकी मौत हो चुकी थी। मौके पर पहुंची एफएसएल टीम ने कार से साक्ष्य जुटाए। पुलिस को कार के अंदर शराब का एक क्वार्टर भी मिला है। प्रारंभिक जांच में पुलिस ने बताया कि मृतक ने शराब का सेवन कर रखा था। पुलिस के अनुसार स्थानीय लोगों ने बताया कि कार पिछले करीब पांच घंटे से उसी जगह खड़ी थी।

एसी चलाकर सोने के बाद बंद हुई कार

पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि डॉक्टर संदीप शराब के नशे में कार खड़ी कर उसमें एसी चलाकर सो गए थे। बाद में पेट्रोल खत्म होने से कार बंद हो गई और एसी भी बंद हो गया। लॉक कार के अंदर तेज गर्मी में रहने के कारण दम घुटने से मौत होने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि पुलिस का कहना है कि वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

निर्माण नहीं रुकवाने के बदले मांगी 2 लाख की रिश्वत, निगम का जेईएन मात्र 80 हजार लेते गिरफ्तार



24 न्यूज अपडेट

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (ACB) ने जयपुर नगर निगम के एक कनिष्ठ अभियंता (JEN) को 80 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपी पर आरोप है कि उसने निर्माणाधीन मकान का काम नहीं रुकवाने और सीलिंग कार्रवाई नहीं करने की एवज में 2 लाख रुपए की रिश्वत मांगी थी। ACB की एसयू-प्रथम चौकी ने सिविल लाइंस जोन, नगर निगम जयपुर के कनिष्ठ अभियंता संजय कुमार बैरवा को ट्रैप कार्रवाई में पकड़ा। इस दौरान नगर निगम के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी दीनदयाल को भी डिटेन किया गया है।

स्वीकृति के बावजूद निर्माण रोकने की धमकी

परिवादी ने ACB को शिकायत दी थी कि पुराने मकान को तोड़कर नया निर्माण कराने के लिए नगर निगम से स्वीकृति ली गई थी। इसके बावजूद आरोपी जेईएन और कर्मचारी निर्माण स्थल पर पहुंचे और मकान को दोबारा सील करने, गार्ड बैठाने तथा निर्माण कार्य रुकवाने की धमकी देने लगे। शिकायत के अनुसार जेईएन ने स्वयं और तत्कालीन उपायुक्त के नाम पर कुल 2 लाख रुपए रिश्वत की मांग की।

सत्यापन में रिश्वत मांगना हुआ साबित

ACB ने शिकायत का गोपनीय सत्यापन कराया, जिसमें 1 लाख रुपए रिश्वत मांगने की पुष्टि हुई। आरोपी के कहने पर पहले 20 हजार रुपए एक कर्मचारी के माध्यम से लिए गए थे। इसके बाद बची हुई राशि देने के लिए ACB ने जाल बिछाया। ट्रैप कार्रवाई के दौरान आरोपी ने अपनी कार का लॉक खोलकर 80 हजार रुपए गाड़ी के गियर के पास स्थित डैशबोर्ड में रखवाए।

डैशबोर्ड से मिली रकम, पर्स से भी नकदी बरामद

ACB टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए कार के डैशबोर्ड से रिश्वत की पूरी रकम बरामद कर ली। जांच के दौरान डैशबोर्ड की धुलाई करने पर उसका रंग गुलाबी पाया गया। वहीं आरोपी के पर्स से 27 हजार 400 रुपए की संदिग्ध नकदी भी बरामद हुई। ACB ने आरोपी जेईएन के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ जारी है और पूरे मामले की जांच की जा रही है।

पत्नी के मायके जाने से तनाव में था युवक, घर में फंदे पर लटका मिला शव

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। जिले के गोगुंदा थाना क्षेत्र के कठार (आडीवाली) गांव में एक व्यक्ति ने कथित रूप से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाकर मर्ग दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार कठार (आडीवाली) निवासी जालूराम गमेती ने रिपोर्ट में बताया कि उसका बड़ा भाई 45 वर्षीय कुकाराम गमेती शनिवार को पूरे दिन घर पर नहीं था और मजदूरी पर भी नहीं गया था। उसकी पत्नी पिछले करीब दो माह से घर पर नहीं थी, जिसके कारण वह मानसिक तनाव में रह रहा था। रविवार सुबह करीब साढ़े सात बजे जालूराम भाई के घर पहुंचा तो दरवाजा खुला मिला। अंदर जाकर देखा तो कुकाराम मकान में लगे एंगल से बिजली की केबल का फंदा बनाकर लटका हुआ था। परिजनों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। गोगुंदा थाना पुलिस ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 194 के तहत मर्ग दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले की जांच एएसआई भरत सिंह देवड़ा कर रहे हैं। पुलिस आत्महत्या के कारणों की जांच में जुटी है।

खारोल कॉलोनी से टवेरा कार चोरी, घर के बाहर खड़ी गाड़ी लेकर फरार हुए चोर

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। शहर के अंबामाता थाना क्षेत्र में खड़ी टवेरा कार चोरी होने का मामला सामने आया है। अज्ञात चोर देर रात घर के बाहर खड़ी गाड़ी लेकर फरार हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर आसपास के सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार खारोल कॉलोनी, विद्याभवन हॉस्टल के पीछे निवासी 51 वर्षीय परवेज हुसैन पुत्र कुतुबुद्दीन खिलौनावाला ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि 27 जून की रात उनके घर के बाहर खड़ी टवेरा कार अज्ञात व्यक्ति चोरी कर ले गया। अगले दिन वाहन नहीं मिलने पर आसपास तलाश की गई, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। पीड़ित की शिकायत पर अंबामाता थाना पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 303(2) के तहत मामला दर्ज कर लिया है। मामले की जांच हेड कांस्टेबल राजपाल को सौंपी गई है। पुलिस वाहन चोरों का पता लगाने के लिए क्षेत्र के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और मामले की जांच जारी है।

स्कूल खुलते ही गिर गई कक्षा की छत, जर्जर भवन के चलते अब पेड़ों की छांव में पढ़ेंगे बच्चे



24 न्यूज अपडेट

बीकानेर। जिले के श्रीडूंगरगढ़ क्षेत्र स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में ग्रीष्मावकाश के बाद स्कूल खुलते ही बड़ा हादसा सामने आया। एक कक्षा की छत अचानक भरभराकर गिर गई। गनीमत रही कि घटना छुट्टियों के दौरान हुई, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई। हालांकि पूरे विद्यालय भवन की स्थिति इतनी जर्जर हो चुकी है कि अब एक भी कमरा बच्चों के बैठने लायक नहीं बचा है। सोमवार सुबह स्कूल स्टाफ जब कक्षाओं के ताले खोलने पहुंचा तो कक्षा संख्या-7 की छत की करीब 10 पट्टियां टूटी हुई नीचे गिरी मिलीं। मलबा कक्षा में रखी टेबल-कुर्सियों पर गिरने से फर्नीचर भी क्षतिग्रस्त हो गया। यदि यह हादसा स्कूल समय के दौरान होता तो बड़ा हादसा हो सकता था। प्रधानाचार्य ने बताया कि केवल एक कक्षा ही नहीं, बल्कि पूरे विद्यालय भवन की हालत बेहद खराब है। बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए फिलहाल खुले मैदान में पेड़ों की छांव के नीचे पढ़ाई कराने का निर्णय लिया गया है। घटना की जानकारी ब्लॉक शिक्षा अधिकारी को भेज दी गई है। ग्रामीणों का कहना है कि सार्वजनिक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) पहले ही स्कूल भवन को जर्जर और असुरक्षित घोषित कर चुका था। इसके बावजूद भवन की मरम्मत या नए भवन के निर्माण को लेकर कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। अब अन्य कमरों की छतों में भी बड़ी-बड़ी दरारें आ चुकी हैं और वे कभी भी गिर सकती हैं। घटना की सूचना मिलते ही सरपंच प्रतिनिधि सहित ग्रामीण विद्यालय पहुंचे और हालात का जायजा लिया। ग्रामीणों ने सरकार और शिक्षा विभाग से तत्काल नए विद्यालय भवन का निर्माण कराने तथा तब तक बच्चों की पढ़ाई के लिए सुरक्षित वैकल्पिक व्यवस्था उपलब्ध कराने की मांग की है।

आरएमवी स्कूल के बाहर युवक पर हमला, लोहे की नुकीली वस्तु से किया वार

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। शहर के सूरजपोल थाना क्षेत्र में आरएमवी स्कूल के सामने पार्किंग के बाहर एक युवक पर चार अज्ञात युवकों ने हमला कर दिया। आरोपियों ने पहले गाली-गलौज की और विरोध करने पर लोहे की नुकीली वस्तु से युवक के चेहरे पर वार कर घायल कर दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार पटवा हाउस, गंगौर घाट निवासी 20 वर्षीय नकुल सोनी अपने दोस्तों सागर और लक्ष्य के साथ 27 जून की रात करीब 11 बजे आरएमवी स्कूल के सामने स्थित नगर निगम पार्किंग में बाइक खड़ी कर बाहर निकल रहे थे। इसी दौरान दो स्कूटी पर सवार चार युवक वहां पहुंचे और बेवजह गाली-गलौज करने लगे। शिकायत के अनुसार विवाद बढ़ने पर एक आरोपी ने हाथ में मौजूद लोहे की नुकीली वस्तु से नकुल के गाल पर हमला कर दिया, जिससे वह घायल हो गया। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। पीड़ित की रिपोर्ट पर सूरजपोल थाना पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और आरोपियों की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं।

चलती ट्रेन पर बोतल फेंक मोबाइल लूटा, युवक ने चेन खींची और जान जोखिम में डालकर 1 किमी पीछा कर दबोचा



24 न्यूज अपडेट

अजमेर। चलती ट्रेन में मोबाइल लूट की एक फिल्मी वारदात रविवार को अजमेर में सामने आई। अजमेर-सराय रोहिल्ला एक्सप्रेस में सफर कर रहे एक युवक का मोबाइल झपटकर बदमाश भाग निकले। युवक ने बिना देर किए चेन पुलिंग कर ट्रेन रुकवाई और चलती ट्रेन से छलांग लगाकर बदमाशों का पीछा शुरू कर दिया। घायल होने के बावजूद उसने करीब एक किलोमीटर तक दौड़ लगाकर स्थानीय लोगों की मदद से एक महिला और एक पुरुष आरोपी को पकड़ लिया। घटना रविवार दोपहर करीब तीन बजे अलवर गेट क्षेत्र में हुई। दौसा निवासी दीपक ट्रेन के गेट पर खड़े होकर मोबाइल में लाइव लोकेशन देख रहे थे। इसी दौरान ट्रैक के पास मौजूद बदमाशों ने उन पर पानी की बोतल फेंकी। बोतल हाथ पर लगने से मोबाइल नीचे गिर गया, जिसे उठाकर बदमाश मौके से फरार हो गए। मोबाइल लूटते ही युवक ने ट्रेन में चेन पुलिंग करवाई और ट्रेन से नीचे कूद गया। बदमाश पहले झाड़ियों में छिप गए और फिर मोबाइल एक महिला और पुरुष साथी को सौंप दिया, लेकिन युवक ने उनका पीछा नहीं छोड़ा। आखिरकार राजा सर्किल स्थित जीसीए-1 ब्रिज के पास दोनों आरोपियों को पकड़ लिया। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए। गुस्साई भीड़ ने दोनों आरोपियों की जमकर पिटाई कर दी। बाद में मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों को भीड़ से छुड़ाया। तलाशी लेने पर आरोपियों के पास से पीड़ित का मोबाइल, तीन अन्य मोबाइल फोन और एक कीमती घड़ी बरामद हुई। पहले अलवर गेट थाना पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन घटना रेलवे क्षेत्र की होने के कारण आरोपियों और बरामद सामान को आगे की कार्रवाई के लिए जीआरपी के हवाले कर दिया गया। पुलिस पूरे गिरोह और लूट की अन्य वारदातों की जांच में जुटी है।

घर छोड़ने के बहाने युवती का अपहरण, दो माह तक दुष्कर्म का आरोप; दंपती के खिलाफ मामला दर्ज

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। जिले के पानरवा थाना क्षेत्र में एक युवती का घर छोड़ने के बहाने अपहरण कर लंबे समय तक बंधक बनाकर दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़िता की रिपोर्ट पर एक युवक और उसकी पत्नी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार आरोपी 4 अप्रैल 2026 को पीड़िता को घर छोड़ने का बहाना बनाकर मोटरसाइकिल से अपने साथ ले गया। आरोप है कि वह उसे एक मकान में ले गया, जहां पांच दिनों तक उसकी इच्छा के विरुद्ध दुष्कर्म किया। इसके बाद आरोपी पीड़िता को उदयपुर ले गया और बस स्टैंड पर उससे जबरन दस्तखत करवाए। शिकायत के अनुसार आरोपी ने 14 जून 2026 तक पीड़िता को जबरन अपने साथ रखा और लगातार दुष्कर्म करता रहा। मौका मिलने पर पीड़िता आरोपी के चंगुल से भाग निकली और परिजनों के साथ पुलिस थाने पहुंचकर मामला दर्ज कराया। पुलिस ने पीड़िता की रिपोर्ट पर आमड़ा निवासी ओमप्रकाश और उसकी पत्नी कृष्णा के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया है। प्रकरण की जांच जारी है।

टीडी में इंजीनियरिंग कॉलेज की राह हुई आसान, सांसद डॉ. मन्नालाल रावत ने डिप्टी सीएम से की मुलाकात



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। जावर माइंस क्षेत्र के स्थानीय युवाओं को तकनीकी शिक्षा और रोजगार से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सामने आई है। उदयपुर सांसद मन्नालाल रावत ने टीडी क्षेत्र में अभियान्त्रिकी महाविद्यालय (डिग्री एवं डिप्लोमा) की स्थापना को लेकर सोमवार को प्रेमचंद बैरवा से मुलाकात कर प्रस्ताव पर विस्तार से चर्चा की। सांसद डॉ. रावत ने इससे पहले भी मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और संबंधित विभागों के अधिकारियों को पत्र लिखकर टीडी में तकनीकी संस्थान स्थापित करने की मांग रखी थी। उन्होंने बताया कि जावर माइंस जैसे औद्योगिक क्षेत्र में स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर मौजूद हैं, लेकिन तकनीकी योग्यता के अभाव में वे उच्च तकनीकी पदों तक नहीं पहुंच पा रहे हैं।

तकनीकी शिक्षा से बदलेगी रोजगार की तस्वीर

सांसद ने बताया कि वर्तमान में क्षेत्र के कई युवा माइनिंग, इलेक्ट्रिकल, मैकेनिकल और ऑटोमोबाइल जैसे क्षेत्रों में रोजगार की इच्छा रखते हैं, लेकिन प्रशिक्षण संस्थान नहीं होने से उन्हें बाहर जाना पड़ता है। इंजीनियरिंग कॉलेज और डिप्लोमा संस्थान शुरू होने से स्थानीय युवाओं को आवश्यक कौशल मिलेगा और वे तकनीकी पदों के लिए योग्य बन सकेंगे। उन्होंने कहा कि जावर माइंस में स्थानीय लोगों को रोजगार देने का प्रावधान है, लेकिन तकनीकी दक्षता की कमी के कारण अधिकांश युवा श्रमिक स्तर तक सीमित रह जाते हैं। तकनीकी संस्थान की स्थापना से स्थानीय युवाओं को बेहतर अवसर मिलेंगे और रोजगार के लिए होने वाले पलायन को भी कम किया जा सकेगा।

अधिकारियों से हुई विस्तार से चर्चा

डॉ. रावत ने उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा के साथ मुख्यमंत्री के एसीएस अखिल अरोड़ा और निदेशक उच्च शिक्षा नथमल डिडेल से भी चर्चा की। उन्होंने टीडी में डिप्लोमा और डिग्री स्तर के तकनीकी संस्थान की आवश्यकता और इसके क्षेत्रीय महत्व को बताया। उन्होंने कहा कि यह संस्थान केवल जावर माइंस क्षेत्र के लिए ही नहीं, बल्कि उदयपुर संसदीय क्षेत्र के युवाओं के लिए भी तकनीकी शिक्षा का बड़ा केंद्र साबित होगा।

वेदांता समूह देगा वित्तीय सहयोग

सांसद डॉ. रावत ने अधिकारियों को बताया कि वेदांता लिमिटेड समूह ने अपने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) फंड के माध्यम से तकनीकी संस्थान की स्थापना के लिए वित्तीय सहायता देने पर सहमति जताई है। ऐसे में कॉलेज स्थापना के लिए आर्थिक संसाधनों की बड़ी समस्या नहीं रहेगी।

डीएलएड प्रथम वर्ष की सैद्धांतिक परीक्षाएं कल से, 505 परीक्षार्थी होंगे शामिल

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर 29 जून। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) उदयपुर के तत्त्वावधान में डीएलएड प्रथम वर्ष सत्र 2025-26 की सैद्धांतिक परीक्षा कल मंगलवार दिनांक 30 जून से प्रारंभ होंगी। डाइट प्रधानाचार्य शीला काहाल्या के अनुसार शिक्षा विभागीय परीक्षाएं पंजीयक बीकानेर द्वारा आयोजित इस परीक्षा में डाइट सहित जिले के 8 अन्य निजी शिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों के कुल 505 छात्राध्यापक इस परीक्षा में भाग लेंगे। परीक्षा हेतु शहर में दो केंद्र स्थापित किए गए जहां ये परीक्षाएं आयोजित होगी जिनमें एक डाइट में होगा जहां 258 परीक्षार्थी भाग लेंगे जबकि दूसरा केंद्र महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय गोवर्धन विलास को निर्धारित किया गया है जहां 247 परीक्षार्थी शामिल होंगे। परीक्षा आयोजन के सफल संचालन हेतु संस्थान के सेवा पूर्व प्रभाग की प्रभागाध्यक्ष डॉ अंजली कोठारी के नेतृत्व में सुनील बिश्नोई एवं दर्जन सिंह सिसोदिया को प्रभारी नियुक्त किया गया है। काहाल्या ने बताया कि परीक्षा में अनुचित साधनों एवं नकल की रोकथाम के लिए आंतरिक उड़न दस्ता दल का गठन कर लिया गया है। वहीं प्रश्न पत्रों की सुरक्षा के मद्देनजर उन्हें पुलिस थाने में रखा गया है। वरिष्ठ व्याख्याता आशुतोष तुली को डाइट परीक्षा केंद्र एवं सत्यप्रिय तथा गिरीश चौबीसा को एमजीजीएस गोवर्धन विलास सेंटर पर पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। साथ ही वीक्षकों की नियुक्ति के आदेश भी जारी कर दिए गए है। सोमवार को डाइट में परीक्षा पूर्व तैयारी बैठक का आयोजन कर समस्त तैयारियों की समीक्षा की गई। इससे पहले डाइट टीम द्वारा गोवर्धन विलास परीक्षा केंद्र पहुंच कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। ये परीक्षाएं पंजीयक बीकानेर द्वारा जारी टाइम टेबल के अनुसार 30 जून से 11 जुलाई को दोपहर 2 बजे से 5 बजे तक आयोजित होंगी।

केशवधाम में गूंजी भक्ति की स्वर लहरियां, गुणानुवाद सभा में साध्वी मंडल ने दिए धर्म और सदाचार के संस्कार



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। घोर तपस्वी केशुलाल महाराज साहब की स्मृति में रविवार को भूपालपुरा स्थित केशवधाम महावीर भवन में श्रद्धा और भक्ति का वातावरण देखने को मिला। केशवधाम सेवा संस्थान के तत्वावधान में आयोजित गुणानुवाद सभा, भक्ति संध्या एवं महाआरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर धर्मलाभ प्राप्त किया। संस्थान अध्यक्ष महेश बम्ब ने बताया कि कार्यक्रम में आचार्य रामलाल महाराज साहब की आज्ञानुवर्तिनी साध्वी शासन दीपिका समता श्रीजी महाराज साहब एवं साध्वी प्रसिद्धि श्रीजी महाराज साहब ने अपने प्रवचनों में मानव जीवन की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह जीवन पुण्य कर्मो का दुर्लभ फल है। इसका उद्देश्य आत्मकल्याण और मोक्ष की दिशा में अग्रसर होना है। साध्वी मंडल ने कहा कि पंच महाव्रत, अहिंसा, क्षमा, तप, समता और सदाचार जैसे गुणों को जीवन में अपनाकर ही समाज और परिवार को श्रेष्ठ संस्कार दिए जा सकते हैं। उन्होंने श्रद्धालुओं से केशुलाल महाराज साहब के तप, त्याग और साधना से प्रेरणा लेकर अपने जीवन में धर्ममय आचरण अपनाने का संकल्प लेने का आह्वान किया। मीडिया प्रभारी सम्पत बापना ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान भगवान की भव्य महाआरती की गई। प्रसिद्ध लोकगायक जितेंद्र गंधर्व एवं उनकी टीम ने भक्तिमय भजनों की प्रस्तुति देकर पूरे परिसर को आध्यात्मिक वातावरण से सराबोर कर दिया। सभा में आर.के. जैन, नरेंद्र चौधरी एवं अशोक खुरड़िया ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के आयोजन में सुनील बापना, रमेश दोषी, विवेक छाजेड़, प्रवीण बम्ब, अशोक मादरेचा, ललित पगारिया, भोपाल सिंह कोठारी, गौतम भंडारी, दिनेश चंडालिया, संजय सियाल, सीए ललित कोठारी, हिम्मत सिंह रांका एवं अदिति मोदी सहित अनेक कार्यकर्ताओं ने सक्रिय सेवाएं दीं। अंत में साध्वी समता श्रीजी महाराज साहब के मंगल पाठ के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

मांझी मंदिर में पर्यटकों से वसूली और सहस्त्रबाहु मंदिर में प्री वेडिंग शूट की मनमानी की होगी जांच



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। झीलों की नगरी उदयपुर में आगामी पर्यटन सीजन को देखते हुए प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने, ऐतिहासिक स्थलों की व्यवस्थाएं सुधारने और पर्यटन अनुभव को बेहतर बनाने को लेकर जिला पर्यटन विकास समिति की बैठक सोमवार को कलेक्ट्रेट मिनी सभागार में आयोजित हुई।

जिला कलक्टर गौरव अग्रवाल के निर्देशन में हुई बैठक की अध्यक्षता एडीएम सिटी जितेंद्र ओझा ने की। बैठक में पर्यटन विभाग, नगर निगम, पुलिस, होटल एसोसिएशन, गाइड एसोसिएशन सहित पर्यटन क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधियों ने भाग लिया और व्यवस्थाओं को लेकर सुझाव दिए। प्रारंभ में संयुक्त निदेशक पर्यटन सुमिता सरोच ने सभी का स्वागत किया। उपनिदेशक एवं समिति की सदस्य सचिव शिखा सक्सेना ने गत बैठक कार्यवाही विवरण प्रस्तुत किया।

एडीएम श्री ओझा ने बिन्दूवार पालना रिपोर्ट की समीक्षा की।

जल्द शुरू होगी हेरिटेज वॉक, पर्यटक जान सकेंगे उदयपुर की विरासत

बैठक में बताया गया कि ओल्ड सिटी क्षेत्र में नगर निगम की ओर से हेरिटेज वॉक को फिर से शुरू किया जा रहा है। इसके लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और जल्द ही वर्क ऑर्डर जारी किए जाएंगे। हेरिटेज वॉक शुरू होने के बाद देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों को उदयपुर की ऐतिहासिक इमारतों, गलियों और सांस्कृतिक विरासत को करीब से देखने का अवसर मिलेगा। एडीएम सिटी जितेंद्र ओझा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पर्यटन स्थलों पर पार्किंग, शौचालय, सुरक्षा व्यवस्था और अन्य मूलभूत सुविधाओं को मजबूत किया जाए। साथ ही आगामी एक माह में प्रमुख पर्यटन स्थलों पर आवश्यक संकेतक और सूचना पट्ट लगाने के निर्देश दिए गए।

मांझी मंदिर और सहस्त्रबाहु मंदिर की शिकायतों पर जांच

बैठक में पर्यटन प्रतिनिधियों ने मांझी मंदिर में पर्यटकों से फोटोग्राफी के नाम पर राशि वसूले जाने की शिकायत रखी। वहीं नागदा स्थित सहस्त्रबाहु मंदिर में प्री वेडिंग शूट के दौरान आम पर्यटकों को परेशानी होने और ऐतिहासिक धरोहर को नुकसान पहुंचने की शिकायतें भी सामने आईं। इस पर एडीएम सिटी ने कार्रवाई के निर्देश दिए। मांझी मंदिर मामले में देवस्थान विभाग को जांच के लिए पत्र भेजने तथा सहस्त्रबाहु मंदिर मामले में पुरातत्व विभाग और पुलिस अधीक्षक को जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

पर्यटन व्यवस्था को लेकर इन मुद्दों पर भी चर्चा

बैठक में शहर की पर्यटन व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई' ऑटो स्टैंड, ऑटो किराया और ड्राइवर यूनिफॉर्म व्यवस्था तय करने पर विचार पर्यटन सीजन में पर्यटन थाने में पर्याप्त पुलिस स्टाफ लगाने पर चर्चा, सहेलियों की बाड़ी सहित प्रमुख स्थलों के पास गाइड शेल्टर निर्माण नो व्हीकल जोन और पैदल मार्ग के लिए चिन्हित रूट पर मंथन सहेलियों की बाड़ी स्थित कलांगन के रखरखाव के लिए एसआईईआरटी को जिम्मेदारी बाहुबली हिल्स पर पाथ-वे, पार्किंग और सुरक्षा व्यवस्था विकसित करने पर चर्चा गुलाबबाग को यूनेस्को हेरिटेज साइट में शामिल कराने के लिए इन्वेंट्री तैयार करने की योजना. बैठक में जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विरमाराम सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में मिले सुझावों के आधार पर पर्यटन सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए कार्ययोजना तैयार करने पर सहमति बनी।

राष्ट्रीय पावरलिफ्टिंग में राजस्थान का दमदार प्रदर्शन, 15 पदकों के साथ टीम ने रचा इतिहास



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। तेलंगाना के हैदराबाद स्थित जीएमसी बालयोगी स्टेडियम के इनडोर हॉल में आयोजित राष्ट्रीय सब जूनियर एवं जूनियर इक्विप्ड पावरलिफ्टिंग प्रतियोगिता में राजस्थान के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रदेश का नाम रोशन किया। राजस्थान टीम ने प्रतियोगिता में चार स्वर्ण, आठ रजत और तीन कांस्य पदक सहित कुल 15 पदक अपने नाम किए। राजस्थान टीम ने सब जूनियर बालक वर्ग की टीम चैंपियनशिप का खिताब भी अपने नाम किया, जबकि सब जूनियर बालिका वर्ग में राजस्थान टीम उपविजेता रही। राजस्थान राज्य पावरलिफ्टिंग संघ के आयोजन सचिव विनोद साहू ने बताया कि प्रतियोगिता में राजस्थान के खिलाड़ियों ने अलग-अलग भार वर्गों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

सब जूनियर वर्ग में खिलाड़ियों ने दिखाया दम

सब जूनियर बालक वर्ग में 53 किलोग्राम भार वर्ग में रंजीत मंडल ने स्वर्ण पदक हासिल किया, जबकि 120 किलो से अधिक भार वर्ग में श्रीकांत बिस्सा ने स्वर्ण पदक जीता। इसी वर्ग में 53 किलोग्राम भार वर्ग में व्योम जावा और 120 किलोग्राम भार वर्ग में संकेत चतुर्वेदी ने रजत पदक अपने नाम किए। सब जूनियर बालिका वर्ग में 57 किलोग्राम भार वर्ग में ममता चांवरिया ने स्वर्ण पदक जीता। जीनल गुजराती ने कांस्य पदक हासिल किया। वहीं 63 किलोग्राम भार वर्ग में सिद्धि कुमारी पांडे ने रजत और 69 किलोग्राम भार वर्ग में कशिश बन ने स्वर्ण पदक जीतकर राजस्थान का गौरव बढ़ाया।

जूनियर वर्ग में भी शानदार प्रदर्शन

जूनियर पुरुष वर्ग में 83 किलोग्राम भार वर्ग में चिराग शर्मा ने रजत पदक, 93 किलोग्राम भार वर्ग में प्रिंस ने रजत पदक और इसी भार वर्ग में मनीष चौधरी ने कांस्य पदक जीता। 120 किलोग्राम भार वर्ग में महेश कुमार ने रजत पदक हासिल किया, जबकि 120 किलो से अधिक भार वर्ग में अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी जितेंद्र शर्मा ने कांस्य पदक जीता। जूनियर महिला वर्ग में 52 किलोग्राम भार वर्ग में भूमिका सारस्वत ने रजत पदक और 57 किलोग्राम भार वर्ग में उभरती खिलाड़ी आकांक्षा कुमावत ने रजत पदक अपने नाम किया।

कोच और पदाधिकारियों ने जताई खुशी

राजस्थान पुरुष टीम के कोच आशीष जैमन और हंसराज किराडू रहे, जबकि महिला टीम के कोच आशीष ओझा थे। टीम मैनेजर की जिम्मेदारी विनोद साहू ने निभाई। राजस्थान टीम की इस उपलब्धि पर राजस्थान राज्य पावरलिफ्टिंग संघ के अध्यक्ष दिनेश श्रीमाली, सचिव डॉ. देवेंद्र साहू, कोषाध्यक्ष राजाराम शर्मा, उदयपुर जिला ओलंपिक संघ के संरक्षक जालमचंद जैन, उदयपुर जिला तीरंदाजी संघ के सचिव गिरधारी सिंह चौहान, अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी चंद्रेश सोनी, गौरव साहू और भूपेंद्र व्यास सहित खेल प्रेमियों ने पदक विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी। सभी पदक विजेता खिलाड़ियों को जुलाई में आयोजित होने वाली राज्य सीनियर पावरलिफ्टिंग प्रतियोगिता में सम्मानित किया जाएगा।

वंडर सीमेंट राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान समारोह में 11वीं बार पुरस्कृत



24 न्यूज अपडेट

निम्बाहेडा। (कविता पारख) वंडर सीमेंट लिमिटेड, आर. के. नगर, निम्बाहेड़ा द्वारा शिक्षा के क्षेत्र मे गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा एवं राजकीय विद्यालयों आधारभूत विकास हेतु वर्ष 2025-26 में राशि 3.97 करोड़ रुपये द्वारा विभिन्न राजकीय विद्यालयों में करवाये गये उल्लेखनीय कार्यो हेतु वडंर सीमेंट लि. को राजस्थान सरकार द्वारा जयपुर में आयोजित'' 30वें राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान समारोह-2026 में उपमुख्यमंत्री डॉ प्रेम चंद्र बैरवा, शिक्षा मंत्री राजस्थान सरकार श्रीमान मदन दिलावर, निदेशक प्रारम्भिक शिक्षा एवं पंचायती राज विभाग राजस्थान सरकार श्रीमान सीताराम जाट एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव शिक्षा विभाग श्रीमान राजेश कुमार यादव द्वारा वंडर सीमेंट लि. के महाप्रबंधक (ब्रांडिंग)श्री प्रवीण मिश्रा एवं वरिष्ठ अधिकारी (सी. एस.आर.) श्री राहुल व्यास को ''शिक्षा विभूषण'' सम्मान प्रदान किया गया।

इस अवसर पर वंडर सीमेंट लिमिटेड के यूनिट हेड श्री नितिन जैन ने कहा कि आर.के. मार्बल समूह की तरह ही वंडर सीमेंट लिमिटेड की भी पहली प्राथमिकता राजकीय विद्यालयों का आधारभूत विकास एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढावा देना है। वर्ष 2025-26 में कंपनी ने नीव इनिशिएटिव के अंतर्गत परियोजना क्षेत्र के आसपास स्थित सभी राजकीय विद्यालयों के भौतिक एवं शैक्षणिक वातावरण को सुदृढ बनाने के लिए अनेक विकास कार्य कराए। इनमें विद्यालयों का नवीनीकरण, कक्षा-कक्ष एवं बरामदों का निर्माण, इंटरएक्टिव फ्लैट पैनल, कंप्यूटर लैब की स्थापना, प्रार्थना स्थल, मंच, शौचालय इकाइयों एवं स्वागत द्वार का निर्माण तथा विद्यार्थियों के लिए फर्नीचर की व्यवस्था शामिल है। इसके साथ ही वंडर सीमेंट रूरल डेवलपमेंट सेंटर में कक्षा 8वीं से 12वीं तक अध्ययनरत राजकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों तथा विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवाओं के लिए निःशुल्क कोचिंग एवं आवश्यक शैक्षणिक सामग्री भी उपलब्ध कराई जा रही है।

उल्लेखनीय है कि शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए राजस्थान सरकार द्वारा वंडर सीमेंट लिमिटेड को अब तक 11वीं बार राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान से सम्मानित किया जा चुका है। इनमें से लगातार पाँच बार कंपनी को शिक्षा जगत के सर्वोच्च सम्मान 'शिक्षा विभूषण से सम्मानित किया गया है।

इस वर्ष कम्पनी की अनुशंषा पर श्री प्रमोद जी दशोरा ए.डी.पी.सी. चित्तौड़गढ़, श्री महेश कुमार शर्मा अध्यापक राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बरखेड़ा, श्री हरीश तानान प्रधानाचार्य राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय ढोरिया, श्रीमती सीमा यादव शारीरिक शिक्षक राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय ढोरिया, श्री सुरेश कुमावत अध्यापक राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बांसा को प्रेरक सम्मान भी समारोह में दिया गया।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा।